



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	22-12-23	2	2-3

पराली प्रबंधन पर वैज्ञानिक डा. कमला ने किया उत्कृष्ट कार्य



हकूति के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ माइक्रो-बायोलॉजी विभाग की वैज्ञानिक डा. कमला मलिक। • पीआरओ

जागरण संवाददाता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के माइक्रो-बायोलॉजी विभाग की वैज्ञानिक डा. कमला मलिक को पराली प्रबंधन पर उत्कृष्ट कार्य करने पर फिनलैंड की ल्यूट विश्वविद्यालय ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने उन्हें बधाई दी।

विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डा. कमला मलिक ने फिनलैंड की ल्यूट विश्वविद्यालय एवं फोटम कंपनी की संयुक्त परियोजना के तहत हरियाणा के 11 जिले जिनमें अंबाला, फतेहाबाद, हिसार, जींद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सिरसा, सोनीपत व यमुनानगर

शामिल है, में पराली प्रबंधन के लिए इन जिलों का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की है। उपरोक्त परियोजना का उद्देश्य फसल अवशेषों का डेटाबेस तैयार करना, अवशेषों की रासायनिक संरचना एवं तत्त्विक गुणवत्ता परखना, फसल अवशेष (पराली) के मूल्यवर्धक और उपयोगी उत्पाद बनाकर व आर्थिक स्थिति को प्रोत्साहन देना था। इस परियोजना में ल्यूट विश्वविद्यालय से प्रोफेसर जारको लिवनन और डा. ऐना हैरी ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस परियोजना से यह लाभ होगा कि हरियाणा में पराली से उत्पन्न चुनौतियों व पराली अवशेषों को जलाने से संबंधित समस्त समस्याओं के निदान के लिए भविष्य में योजना बनाने में मदद मिलेगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमर उजाला	22-12-23	4	6-8

वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक ने पराली प्रबंधन पर किया सर्वे, ल्यूट विवि ने दिया प्रशस्ति पत्र

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के माइक्रो-बायोलॉजी विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को पराली प्रबंधन पर उत्कृष्ट कार्य करने पर फिनलैंड के ल्यूट विश्वविद्यालय ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है।

विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक ने फिनलैंड के ल्यूट विश्वविद्यालय एवं फोटम कंपनी की संयुक्त परियोजना के तहत हरियाणा के 11 जिलों, जिनमें अंबाला, फतेहाबाद, हिसार, जींद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सिरसा, सोनीपत व यमुनानगर शामिल हैं। यहां पराली प्रबंधन के लिए इन जिलों का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की है। उपरोक्त परियोजना का उद्देश्य फसल अवशेषों का डेटाबेस तैयार करना, अवशेषों



एचएयू के कुलपति प्रो. कांबोज के साथ माइक्रो-बायोलॉजी विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक। संवाद

की रासायनिक संरचना एवं तत्विक गुणवत्ता परखना, फसल अवशेष (पराली) के मूल्यवर्धक और उपयोगी उत्पाद बनाकर व आर्थिक स्थिति को प्रोत्साहन देना था। इस परियोजना में ल्यूट विश्वविद्यालय से प्रोफेसर जारको लिवनन और डॉ. ऐना हैरी ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस परियोजना से यह लाभ होगा कि हरियाणा में पराली से उत्पन्न चुनौतियों व पराली अवशेषों को जलाने से संबंधित समस्त

समस्याओं के निदान के लिए भविष्य में योजना बनाने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने उन्हें बधाई दी।

इस परियोजना में ल्यूट विश्वविद्यालय, फिनलैंड से आई डॉ. ऐना हैरी ने एचएयू और फसल अवशेषों से संबंधित क्षेत्रों का दौरा किया। जहां पाया कि धान की पूसा 1401 किस्म की पराली में सैलुल्लोस की मात्रा अधिक (लगभग 42 प्रतिशत) है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	22-12-23	12	2-5

एचएयू वैज्ञानिक को दिया प्रशस्ति पत्र

- पराली प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य पर डॉ. कमला मलिक को मिला सम्मान

हरिभूमि न्यूज ►► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के माइक्रो-बायोलॉजी विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को पराली प्रबंधन पर उत्कृष्ट कार्य करने पर फिनलैंड की ल्यूट विश्वविद्यालय ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने उन्हें बधाई दी। विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक ने फिनलैंड की ल्यूट विश्वविद्यालय एवं फोटम कंपनी की संयुक्त परियोजना के तहत हरियाणा



हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ माइक्रो-बायोलॉजी विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक।

फोटो: हरिभूमि

के 11 जिलों, जिनमें अंबाला, फतेहाबाद, हिसार, जींद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सिरसा, सोनीपत व यमुनानगर शामिल हैं, में पराली प्रबंधन के लिए इन जिलों का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की है। उपरोक्त परियोजना का उद्देश्य

फसल अवशेषों का डेटाबेस तैयार करना, अवशेषों की रासायनिक संरचना एवं तत्विक गुणवत्ता परखना, फसल अवशेष (पराली) के मूल्यवर्धक और उपयोगी उत्पाद बनाकर व आर्थिक स्थिति को प्रोत्साहन देना था।

डॉ. हेरी ने प्रक्षेत्रों का किया दौरा

इस परियोजना में ल्यूट विश्वविद्यालय, फिनलैंड से आई डॉ. ऐना हेरी ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और फसल अवशेषों से संबंधित प्रक्षेत्रों का दौरा किया। जहां पाया कि धान की पूसा 1401 किस्म की पराली में सेलुल्लोस की मात्रा अधिक (लगभग 42 प्रतिशत) है। इसी प्रकार पूसा 1121 किस्म में हैमि सेलुल्लोस की मात्रा ज्यादा पाई गई, जोकि बायो इथिनोल, पल्प व पेपर और बायो गैस व खाद तैयार करने के लिए उत्तम है। इसके अलावा इन दोनों किस्मों का इस्तेमाल ब्रिकेट व पैल्लेट व बायोचार इत्यादि मूल्यवर्धक उत्पादों में किया जा सकता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

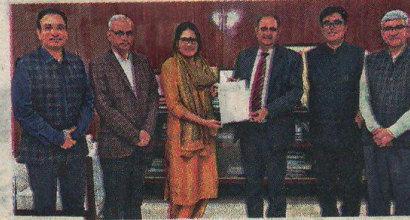
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनांक 22-12-23	22-12-23	4	3-4

पराली प्रबंधन पर उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. कमला मलिक को फिनलैंड के विवि ने किया सम्मानित

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के माइक्रो-बायोलॉजी विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को पराली प्रबंधन पर उत्कृष्ट कार्य करने पर फिनलैंड की ल्यूट विश्वविद्यालय ने प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया है। विवि के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने उन्हें बधाई दी।

विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक ने फिनलैंड की ल्यूट विश्वविद्यालय एवं फोटम कंपनी की संयुक्त परियोजना के तहत हरियाणा के 11 जिलों, जिनमें अम्बाला, फतेहबाद, हिसार, जींद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सिरसा, सोनीपत व यमुनानगर शामिल हैं, में पराली प्रबंधन के लिए इन जिलों का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की है। उपरोक्त परियोजना का उद्देश्य फसल अवशेषों



का डेटाबेस तैयार करना, अवशेषों के रासायनिक संरचना एवं तत्त्विक गुणवत्त परखना, फसल अवशेष (पराली) के मूल्यवर्धक और उपयोगी उत्पाद बनाकर व आर्थिक स्थिति को प्रोत्साहन देना था। इस परियोजना में ल्यूट विश्वविद्यालय से प्रोफेसर जारको लिवनन और डॉ. ऐना हैरी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इससे यह लाभ होगा कि हरियाणा में पराली से उत्पन्न चुनौतियों व पराली अवशेषों को जलाने से संबंधित समस्त समस्याओं के निदान के लिए भविष्य में योजना बनाने में मदद मिलेगी।

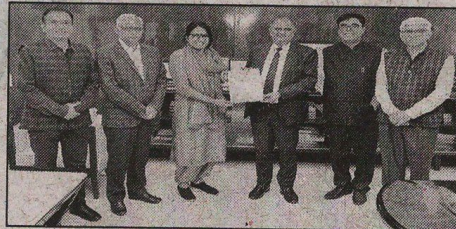


चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22-12-23	6	1-3

हकृवि की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को पराली प्रबंधन पर उत्कृष्ट कार्य करने पर फिनलैंड के विश्वविद्यालय ने दिया प्रशस्ति पत्र

हिसार, 21 दिसम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के माइक्रो-बायोलॉजी विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को पराली प्रबंधन पर उत्कृष्ट कार्य करने पर फिनलैंड की ल्यूट विश्वविद्यालय ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उन्हें बधाई दी। विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक ने फिनलैंड की ल्यूट विश्वविद्यालय एवं फोटम कंपनी की संयुक्त परियोजना के तहत हरियाणा के 11 जिलों, जिनमें अंबाला, फतेहाबाद, हिसार, जींद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सिरसा, सोनीपत व यमुनानगर शामिल है, में पराली प्रबंधन के लिए इन जिलों का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की है। उपरोक्त



हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ माइक्रो-बायोलॉजी विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक।

परियोजना का उद्देश्य फसल अवशेषों का डेटाबेस तैयार करना, अवशेषों की रासायनिक संरचना एवं तत्त्विक गुणवत्ता परखना, फसल अवशेष (पाराली) के मूल्यवर्धक और उपयोगी उत्पाद बनाकर व आर्थिक स्थिति को प्रोत्साहन देना था। इस परियोजना में ल्यूट विश्वविद्यालय से प्रोफेसर जारको लिबनन और डॉ. ऐना हैरी ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस परियोजना से यह लाभ होगा कि हरियाणा में पराली से उत्पन्न चुनौतियों व पराली अवशेषों को जलाने से संबंधित समस्त समस्याओं के निदान के लिए

भविष्य में योजना बनाने में मदद मिलेगी। इस परियोजना में ल्यूट विश्वविद्यालय, फिनलैंड से आई डॉ. ऐना हैरी ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार और फसल अवशेषों से संबंधित प्रक्षेत्रों का दौरा किया। जहां पाया कि धान की पूसा 1401 किस्म की पराली में सैलुल्लोस

की मात्रा अधिक (लगभग 42 प्रतिशत) है। इसी प्रकार पूसा 1121 किस्म में हैमि सैलुल्लोस की मात्रा ज्यादा पाई गई, जोकि बायो इथिनोल, पल्प व पेपर और बायो गैस व खाद तैयार करने के लिए उत्तम है। इस परियोजना में शामिल वैज्ञानिकों ने दोनों विश्वविद्यालयों की तकनीक, नवाचारों, प्रौद्योगिकियों एवं ढांचगत विशेषताओं के बारे में ज्ञान व जानकारी का आदान-प्रदान किया, जिससे दोनों देशों के वैज्ञानिकों को पराली प्रबंधन में उचित दिशा, दशा व शोध कार्यों में मदद मिलेगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	21.12.2023	--	--

एचएयू की समाज कल्याण समिति ने जरूरतमंद बच्चों को वितरित की प्रोत्साहन सामग्री

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 21 दिसम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की समाज कल्याण समिति की ओर से विश्वविद्यालय में स्थित कैम्पस स्कूल के पढ़ने वाले जरूरतमंद व प्रतिभावान विद्यार्थियों को रोजमर्रा उपयोग में आने वाली वस्तुएं वितरित की गईं। समिति के सचिव श्री कपिल अरोड़ा ने बताया कि समिति की ओर से 105 विद्यार्थियों को ट्रैक सूट, 75 को स्टेशनरी आइटम, 108 को हॉट केस टिफिन व 27 विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज की धर्मपत्नी व उपरोक्त समिति की अध्यक्ष श्रीमती संतोष कुमारी बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रही। मुख्यातिथि श्रीमती संतोष कुमारी ने कहा कि जरूरतमंद विद्यार्थियों की पढ़ाई में रुचि बनाए रखने के लिए उनकी छोटी-छोटी



कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने पुनर्जीवित की थी संस्था

समाज कल्याण समिति की स्थापना विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति श्री ए.एल. पलेचर ने की थी व वर्तमान कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने इस संस्था का दोबारा से गठन किया और इसे पुनर्जीवित किया। इस संस्था के पुनर्गठन के बाद यह पांचवा कार्यक्रम है जिसके तहत जरूरतमंद बच्चों को सामान वितरित किया गया है। इससे पहले भी कैम्पस स्कूल व विश्वविद्यालय स्थित सरकारी स्कूल के 200 से अधिक जरूरतमंद विद्यार्थियों को जर्सियां व हॉट केस टिफिन आदि वितरित किए जा चुके हैं।

आवश्यकताओं को पूरा करना व प्रोत्साहन बहुत जरूरी है। उन्होंने समिति के सभी सदस्यों के सहयोग व उनके नेक कार्यों के लिए सराहना की और भविष्य में भी इसी प्रकार के समाज कल्याण के कार्य करते रहने का आह्वान किया।

इस अवसर पर समिति के सदस्य एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार, हिन्दी व हरियाणवी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अपर्णा व कैम्पस स्कूल के प्रधानाचार्य श्री सोमा सेखरा सरमा धुलिपाला सहित समिति के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाप्य बजे	21.12.2023	--	--

हकृषि की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को फिनलैंड के विश्वविद्यालय ने किया सम्मानित



पाप्य बजे ब्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के माइक्रो-बायोलॉजी विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को पराली प्रबंधन पर उत्कृष्ट कार्य करने पर फिनलैंड की ल्यूट विश्वविद्यालय ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उन्हें बधाई दी।

विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक ने फिनलैंड की ल्यूट विश्वविद्यालय एवं फोटोम कंपनी की संयुक्त परियोजना के

तहत हरियाणा के 11 जिलों, जिनमें अंबाला, फतेहाबाद, हिसार, जौड़, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सिरसा, सोनीपत व यमुनानगर शामिल है, में पराली प्रबंधन के लिए इन जिलों का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की है। उपरोक्त परियोजना का उद्देश्य फसल अवशेषों का डेटाबेस तैयार करना, अवशेषों की रासायनिक संरचना एवं तत्विक गुणवत्ता परखना, फसल अवशेष (पराली) के मूल्यवर्धक और उपयोगी उत्पाद बनाकर व आर्थिक स्थिति को प्रोत्साहन देना था। इस परियोजना में ल्यूट विश्वविद्यालय से प्रोफेसर जारको लिबनन और डॉ. ऐना हेरी ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस परियोजना से

यह लाभ होगा कि हरियाणा में पराली से उपज चुनौतियों व पराली अवशेषों को जलाने से संबंधित समस्त समस्याओं के निदान के लिए भविष्य में योजना बनाने में मदद मिलेगी।

इस परियोजना में ल्यूट विश्वविद्यालय, फिनलैंड से आई डॉ. ऐना हेरी ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार और फसल अवशेषों से संबंधित प्रश्नों का दौरा किया। जहां पाया कि धान की पूसा 1401 किस्म की पराली में सैलुल्लोस

की मात्रा अधिक (लगभग 42 प्रतिशत) है। इसी प्रकार पूसा 1121 किस्म में हैमि सैलुल्लोस की मात्रा ज्यादा पाई गई, जोकि बायो इथिनोल, पल्प व पेपर और बायो गैस व खाद तैयार करने के लिए उत्तम है। इसके अलावा इन दोनों किस्मों का इस्तेमाल ब्रिकेट व पैलेट व बायोचार इत्यादि मूल्यवर्धक उत्पादों में किया जा सकता है। इस परियोजना में शामिल वैज्ञानिकों ने दोनों विश्वविद्यालयों की तकनीक, नवाचारों, प्रौद्योगिकियों एवं ढांचागत विशेषताओं के बारे में ज्ञान व जानकारी का आदान-प्रदान किया, जिससे दोनों देशों के वैज्ञानिकों को पराली प्रबंधन में उचित दिशा, दशा व शोध कार्यों में मदद मिलेगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	21.12.2023	--	--

डॉ. कमला मलिक को पराली प्रबंधन पर उत्कृष्ट कार्य करने पर दिया प्रशस्ति पत्र



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के माइक्रो-बायोलॉजी विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को पराली प्रबंधन पर उत्कृष्ट कार्य करने पर फिनलैंड की ल्यूट विश्वविद्यालय ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उन्हें बधाई दी। डॉ. कमला मलिक ने फिनलैंड की ल्यूट विश्वविद्यालय एवं फोटम कंपनी की संयुक्त परियोजना के तहत हरियाणा के 11 जिलों, जिनमें अंबाला, फतेहाबाद, हिसार, जींद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सिरसा, सोनीपत व यमुनानगर शामिल है, में पराली प्रबंधन के लिए इन जिलों का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की है। उपरोक्त परियोजना का उद्देश्य फसल अवशेषों का डेटाबेस तैयार करना, अवशेषों की रासायनिक संरचना एवं तत्विक गुणवत्ता परखना, फसल अवशेष (पराली) के मूल्यवर्धक और उपयोगी उत्पाद बनाकर व आर्थिक स्थिति को प्रोत्साहन देना था। इस परियोजना में ल्यूट विश्वविद्यालय से प्रोफेसर जारको लिक्नन और डॉ. ऐना हैरी ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस परियोजना से यह लाभ होगा कि हरियाणा में पराली से उत्पन्न चुनौतियों व पराली अवशेषों को जलाने से संबंधित समस्त समस्याओं के निदान के लिए भविष्य में योजना बनाने में मदद मिलेगी।



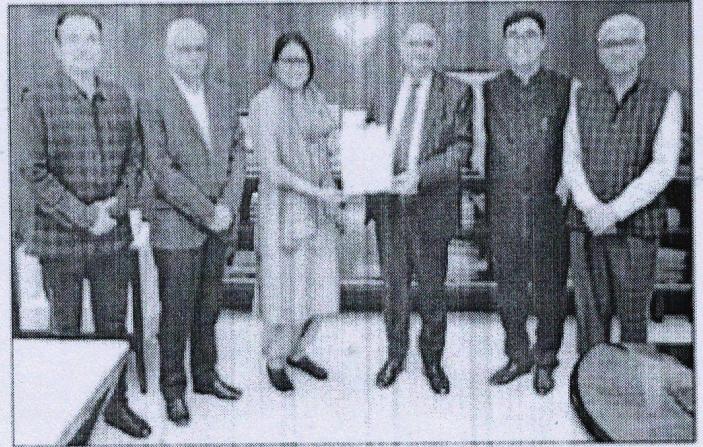
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	21.12.2023	--	--

हकृषि वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को पराली प्रबंधन पर उत्कृष्ट कार्य करने पर फिनलैंड के विश्वविद्यालय ने दिया प्रशस्ति पत्र

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 21 दिसंबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के माइक्रो-बायोलॉजी विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को पराली प्रबंधन पर उत्कृष्ट कार्य करने पर फिनलैंड की ल्यूट विश्वविद्यालय ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उन्हें बधाई दी। विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक ने फिनलैंड की ल्यूट विश्वविद्यालय एवं फोटम कंपनी की संयुक्त परियोजना के तहत हरियाणा के 11 जिलों, जिनमें अंबाला, फतेहाबाद, हिसार, जींद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सिरसा, मोनीपत व यमुनानगर शामिल हैं, में पराली प्रबंधन के लिए इन जिलों का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की है। उपरोक्त परियोजना का उद्देश्य फसल अवशेषों का डेटाबेस तैयार करना, अवशेषों की रासायनिक संरचना एवं तात्विक गुणवत्ता परखना, फसल अवशेष (पराली) के मूल्यवर्धक और उपयोगी उत्पाद बनाकर व आर्थिक स्थिति को प्रोत्साहन देना था। इस परियोजना में ल्यूट विश्वविद्यालय से प्रोफेसर जास्को लिवनन और डॉ. ऐना हैरी ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस परियोजना से यह लाभ होगा कि हरियाणा में पराली से उत्पन्न चुनौतियों व पराली अवशेषों को जलाने से संबंधित समस्त समस्याओं के निदान के लिए भविष्य में योजना बनाने में मदद मिलेगी। इस परियोजना में ल्यूट विश्वविद्यालय, फिनलैंड से आई डॉ. ऐना हैरी ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार और फसल अवशेषों से संबंधित प्रश्नों का दौरा किया। जहां



पाया कि धान की पूसा 1401 किस्म की पराली में सैलुलोज की मात्रा अधिक (लगभग 42 प्रतिशत) है। इसी प्रकार पूसा 1121 किस्म में हैमि सैलुलोज की मात्रा ज्यादा पाई गई, जोकि बायो ईथनोल, पल्प व पेपर और बायो गैस व खाद तैयार करने के लिए उत्तम है। इसके अलावा इन दोनों किस्मों का इस्तेमाल ब्रिकेट व पैलेट व बायोचार इत्यादि मूल्यवर्धक उत्पादों में किया जा सकता है। इस परियोजना में शामिल वैज्ञानिकों ने दोनों विश्वविद्यालयों की तकनीक, नवाचारों, प्रौद्योगिकियों एवं वांछित विशेषताओं के बारे में ज्ञान व जानकारी का आदान-प्रदान किया, जिससे दोनों देशों के वैज्ञानिकों को पराली प्रबंधन में उचित दिशा, दशा व शोध कार्यों में मदद मिलेगी।